>

Title : Need to supply goods to the people of Doda, Ramban and Kistwad districts in J & K.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के ा।लए समय दिया, इसके ा।लए मैं आपका बहुत शुक्र्गुजार हूं। मैं बहुत दुख के साथ कह रहा हूं कि मेरी कौन्सटीटूऎंसी में तीन डिस्ट्रिक्ट द्ध डोडा, रामबन और किश्तवाड़ हैं। हमारे वहां बगलिहार प्रोजैक्ट बना और अब उस प्रोजैक्ट की पॉडिंग शुरू कर दी गई। उस पॉडिंग को शुरू किये हुए अभी चार-छ: महीने हुए हैं। वहां पानी भरता गया। उससे हमारे पहाड़ी एरिया के किनारे जो सड़क थी, वह चूने का पहाड़ था, उस पहाड़ की दो किलोमीटर की पूरी सड़क जमीन में धंस गई। इस समय दस दिन हो गये हैं, आपको हैरानी होगी कि दस दिन से छ; लाख की आबादी वाले तीन जिले बुरी तरह प्रभावित हैं। वहां खाने की चीजें नहीं पहुंच रही हैं, आना-जाना बंद हो गया है। इस समय वहां वैसे ही बर्फ गिरी हुई है जिसके कारण लोग पहले ही तंग थे। वे इतना सामान इकट्ठा नहीं कर सकते। अब गाड़ियां नहीं आ पा रही हैं जिससे राशन की दिक्कत है। वहां अभी तक एयर सर्विस भी नहीं लगी। मेरी आपके माध्यम से सबमिशन है कि बसोली, बनी, भद्रवाह का एक रास्ता है उस रास्ते को ठीक किया जाये, तो वहां सामान पहुंच सकता है। दूसरा, पांगी बार्डर का रास्ता है जिससे किश्तवाड़ जाया जा सकता है और तीसरा, एयर सर्विस का रास्ता है। अदरवाइज उन्होंने कहा है कि वह सड़क 45 दिन तक नहीं बन सकती। मेरी सबमिशन है कि जब नई सड़क बनानी है तो उसका इमीडिएट इंतजाम कीजिए। साथ ही मान तराई के रास्ते से एक टनल निकाली जा सकती है जिससे हमारा रास्ता भी कम हो सकता है। वहां लोगों में त्राहिमाम-त्राहिमाम हो रही है। मेरी सबमिशन है कि इस मसले को आप अभी टेक-अप करें। मैंने आपको इसीलिए कष्ट दिया। This is my humble submission to you. Please take a serious note of this issue. Thank you. जन्यवाद, जय हिन्द।